बरेली, सोमवार
30 मार्च, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16+4=20

दैनिक जागरण

PAGE NO, I, TOP

रिद्धिमा में महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित नाटक का मंचन

'कोमल गांधार' ने झकझोरा दर्शकों का मन

रिद्धिमा में नाटक का मंचन करते कलाकार • सौ संस्था

जासं, बरेली : एसआरएमएस रिद्धिमा के प्रेक्षागृह में रविवार को शंकर शेष लिखित और विनायक श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित नाटक 'कोमल गांधार' का भावपूर्ण मंचन हुआ। महाभारत की पृष्ठभूमि पर आधारित नाटक ने गांधारी के पारंपरिक स्वरूप से हटकर उनके अंतर्मन की पीड़ा, संघर्ष और वैचारिक शक्ति को एक नए दृष्टिकोण के साथ दर्शकों के सामने रखा।

नाटक की शुरुआत भीष्म की ओर से गांधारी को हस्तिनापुर लाने से होती है। विवाह के बाद जब गांधारी को पता चलता है कि धृतराष्ट्र अंधे हैं, तो वह प्रतिशोध और दुख की ज्वाला में जलते हुए, आजीवन आंखों पर पट्टी बांधने का संकल्प लेती हैं। कथानक गांधारी के माध्यम से स्त्री-अस्मिता, सत्ता के मोह और नैतिक पतन के जटिल संबंधों को उजागर करता है। नाटक में दिखाया कि कैसे धृतराष्ट्र और गांधारी के बीच भावनात्मक शून्यता रही, जिसका असर उनके पुत्रों पर भी पड़ा। अंतिम दृश्यों में युद्ध में पराजित और मरणासन्न दुर्योधन अपनी माता को उलाहना देता है कि उन्हें कभी ममता की छांव नहीं मिली। नाटक का अंत धृतराष्ट्र और गांधारी के वन गमन और वहां धधकती अग्नि में समाहित होने के साथ होता है। अनमोल मिश्रा गांधारी, पंकज कुकरेती धृतराष्ट्र, विनायक श्रीवास्तव भीष्म की भूमिका में नजर आए। वहीं,

मानेश यादव (संजय), शिवम यादव (शकुनि), गौरव कार्की (दुर्योधन) और विभा गंगवार (दासी) के अभिनय को भी सराहना मिली। संगीत पक्ष को सूर्यकांत चौधरी, ऋषभ आशीष पाठक, डैरिक और विशेष सिंह ने वाद्यंत्रों से जीवंत किया, जबकि सात्विक मिश्रा और प्रियंका ग्वाल के गायन ने प्रस्तुति में प्राण फूंक दिए। इस अवसर पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता, डा. अनुज कुमार आदि मौजूद रहे।